अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : अप्रैल–मे 2024

परीक्षा का नाम : विशारद प्रथम (प्रथम प्रश्नपत्र)

विषय : तबला-पखावज

दि. 21/04/2024 समय : 3 घंटे (सुबह 9 से 12) **कुल अंक : 75**

सूचना : 1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। 2) कोई पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
3) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्र.1. सूचना अनुसार लिपिबद्ध कीजिए। (कोई 3) **(5x3=15)**

1) 10 मात्रा की ताल में एक तिस्र जाति का रेल ।
(3 पलटें और तिहाई के साथ)
2) कोई भी ताल में एक स्तुतिपरन / गतपरन ।
3) सूलताल की दुगुन और चौगुन । (पं.पलुस्कर तालिपि में)
4) 15 मात्रा की ताल में एक टुकड़ा । (पं.पलुस्कर तालिपि में)
5) 12 मात्रा की ताल में पौन के दम (3/4) की एक तिहाई ।
(सम से सम तक)

प्र.2. सोदाहरण परिभाषाएँ लिखिए। (कोई 3) **(5x3=15)**

1) गतपरन 2) चलन 3) आमद 4) मोहरा 5) पेशकार

प्र.3. समान मात्रा संख्या के कोई दो तालों का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए तथा संगीत में उसकी उपयोगिता स्पष्ट करें। उन सभी तालों को पं.भातखंडे तालिपि में लिपिबद्ध करें। **(15)**

प्र.4. 'ताल और ठेका में परस्परसंबंध तथा अंतर' इस विषय पर अपने विचार लिखिए। **(15)**

प्र.5. अ) बहुविकल्पिक प्रश्न रिक्त स्थानों की पूर्ति करें। **(10)**

1) ---------- यह तबले का घराना नही है।
अ) पंजाब ब) लखनौ क) नाथद्वार

2) ---------- यह विस्तार क्रिया का मुलतत्त्व है।
अ) आवर्तन ब) खाली-भरी क) पलटा

3) ---------- यह पखवाज वादन का एक रचनाप्रकार है।
अ) पड़ार ब) गत क) कायदा

4) उ.करामतुल्ला खाँ प्रख्यात ---------- थे।
अ) पखावजी ब) गायक क) तबलिये

5) नौहक्का तिहाई में कुल ---------- 'धा' होते है।
अ) 3 ब) 9 क) 27

6) 'चौपल्ली' यह रचनाप्रकार ---------- संकल्पना से संबंधित है।
अ) परन ब) गततुकडा क) गत

7) 'धीटधीट धागेतीट' इस तरह की बोलो की जोडियाँ प्राय: ------ ---- रचना में दिखायी देती है।
अ) परन ब) तुकडा क) गत

8) ---------- यह अविस्तारक्षम रचना है।
अ) लग्गी ब) रौ क) लड़ी

9) ख्याल गायन ---------- ताल में किया जाता है।
अ) झुमरा ब) दिपचंदी क) धमार

10) ---------- यह स्वतंत्ररुपसे विस्तारित होनेवाला प्रमुख विस्तारक्षम रचनाप्रकार है।
अ) रेला ब) कायदा क) पेशकार

ब) सही जोडियाँ लगाइए। **(05)**

1. परन	अ. सताईस पे 'धा' पर सम
2. कमाली	ब. तिहाई सहित
3. तुकडा	क. खुले बोल
4. गत	ड. रौ
5. चलन	इ. तिहाई सहित / रहित

प्र.6. लय और लयकारी को परिभाषित करते हुए (10+5=15)
'लय-लयकारी और सौंदर्य' के बारे में अपने विचार लिखिए।
लयकारी लिखिए– तीनताल / आदिताल : 4 आवर्तन में 7 आवर्तन

प्र.7. एकल तबला / पखावज वादन में 'रेला' का (5+5+5=15)
महत्त्व विशद करें तथा अभ्यासक्रम में से किसी भी एक ताल में संपूर्ण रेला (पलटे व तिहाई सहित) लिपिबद्ध करें।

अथवा

लिपिबद्ध करें। (3x5=15)

1) 15 मात्रा की ताल में एक फरमाईशी चक्रदार पूर्ण लिखे।
2) 14 मात्रा की ताल में एक बेदम तिहाई पं.पलुस्कर लिपि में।
3) एकताल / चौताल की आड लय।

Exam : Visharad Pratham (First Paper)

Subject : Tabala Pakhavaj

Date : 21/04/2024 Timing : 9am to 12 noon Total Marks - 75

Note : 1) Questing 1 is compulsary.
2) Solve any 4 questions from the remaining questions.
3) All question carries equal marks.

Q.1 **Write Notations for the following (any three)** **(5x3=15)**

1) Tishra Jati Rela in 10 Matra's (With 3 Palte and Tihai)
2) Stuti Paran / Gata Paran in any one Tala
3) Dugun and Chouguna of Sulatala (Pt. Paluskar Notation System)
4) One Tukada in 15 Matra's Tala (Pt. Paluskar Notation System)
5) "Poun Ke Dama" (3/4) in 12 Matra TalaTihai (from Sam to Sam)

Q. 2 **Write definations for the following with examples.** **(5x3=15)**

1) Gatparan 2) Chalan 3) Aamad
4) Mohara 5) Peshkar

Q. 3 **Compare any two Tala's with equal Matra's and describe them in brief and also write about the usage of these Tala's in Music and note these Tala's in Pt. Bhatkhande Notation System.** **(8+7=15)**

Q. 4 **Explain in brief Relation between "Tala and Theka" and also distinguish between the concept.** **(15)**

Q. 5 Fill in the gaps with choosing the right answer. **(10)**

1) ..... is not a Tabala Gharana
A) Pujnab B) Lakhanou C) Nathadwar

2) ..... is the "Multatva" of Vistar
A) Aavartan B) Khali-Bhari C) Palta

3) ..... is the type of composition of Pakhawaj Vadan (Playing)
A) Padaar B) Gata C) Kayada

4) Ut. Karamatulla Khan was a famous .....
A) Pakhaawaji B) Vocalist
C) Tabaliya (Tabala Player)

5) There are total ..... "Dha" in "Nouhakka Tihai".
A) 3 B) 9 C) 27

6) "Choupalli" is the composition relatable to the concept of .....
A) Paran B) Gata Tukada C) Gata

7) "DhitaDhita, DhageTita" type of Bola pairs are found in ..... composition
A) Paran B) Tukada C) Gata

8) ..... is a Avistarksham composition
A) Laggi B) Rou C) Ladi

9) Khayal Gayan is presented in ..... Tala
A) Zhumara B) Deepachandi C) Dhamar

10) ..... is the composition Expands with its own individual concept.
A) Rela B) Kayada C) Peshakar

B) Match the pairs. **(05)**

A	B
1) Paran	1) "Sama" on "27th Dha"
2) Kamali	2) With Tihai
3) Tukada	3) Khule Bola
4) Gata	4) Rou
5) Chalan	5) With Tihai / without Tihai

Q. 6 **Write the definations of "Laya and Layakari", and also write your thoughts about "Asthetics (Beauty)" of "Laya and Layakari" along with it write "Layakari for Teentala / Aaditala" that is 7 Aavartana in 4 Aavartana.** **(10+5=15)**

Q. 7 **A) Explain the importance of "Rela", while playing Solo Tabala / Pakhawaj and also write one "Rela" in any Tala from the given Syllabus along with (Palte and Tihai)** **(10+5=15)**

or

B) Write Notation for the following. **(3x5=15)**

1) One farmaishi Chakradhar in 15 matra Tala.
2) One Bedam Tihai in Paluskar Notation System in 14 matras.
3) Aada Laya of Ektala / Choutala